पुरोवाक्

धर्म और विज्ञान के पारस्पारिक सम्बन्ध को लेकर प्रायः दो प्रकार की अवधारणाएं प्रचलित है। प्रथम अवधारणा के अनुसार धर्म और विज्ञान परस्पर विरोधी है और इनमें किसी प्रकार का कोई अंतः सम्बन्ध नही है। दूसरी अवधारणा के अनुसार धर्म और विज्ञान एक दूसरे के पूरक और उपकारक हैं। दोनों का अस्तित्व एक – दूसरे पर आधृत है। स्थूल प्रकृति व मानव प्रकृति की सर्जन – प्रकिया व विकास यात्रा के गूढ़ गम्भीर रहस्यों को उद्घाटित करते हुए समग्र जाति के साथ साथ प्राणी मात्र एवं अचर प्रकृति का कल्याण करना इन दोनों का समवेत लक्ष्य भी है और प्रयास भी। यही कारण है कि विज्ञान की प्रगति के साथ साथ धर्म की प्रगति भी उत्तरोत्तर गतिमान है।

21वीं शताब्दी में सूचनातंत्र की क्रांति विज्ञान की एक महत्वपूर्ण देन है। इसका सभी धर्मों ने भरपूर लाभ उठाया है। सूचनातंत्र और सूचनाओं का अदान – प्रदान जितना विकसित और त्वरित और प्रामाणिक होगा धर्म और धर्म प्रेमियों को उसका उतना ही अधिक लाभ होगा। कुछ दशक पूर्व साधारण सी सूचना व संदेश को पहुंचाने में सप्ताह लग जाते थे जबकि आज के युग में एक साथ अनेक व्यक्तियों को सूचना व संदेश प्रेषित करने के अनेक वैज्ञानिक साधन एवं उपकरण उपलब्ध हैं। धार्मिक जगत् एवं सनातन परिवार सम्प्रेषण – कौशल प्रदान करने वाले इन सभी आधुनिक संसाधनों का अपनी सुविधा एंव आवश्यकता अनुसार प्रयोग कर रहा है।

इसी विचार के अन्तर्गत सनातन धर्म प्रतिनिधि सभा पंजाब नई दिल्ली की ये वेबसाइट तैयार की गई है। देश विदेश में सर्वत्र विद्यमान सनातन धर्मी साथियों को इस से सूचना का लाभ अवश्य मिलेगा।

डॉ देशबन्धु
प्रधान
सनातन धर्म प्रतिनिधि सभा (पंजाब), नई दिल्ली